Extablishment of Panchayatiraj in India

भारत में पंचायती राज की स्थापना

भारतवर्ष में पंचायती राज के माध्यम से लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण का दीप देश के प्रथम प्रधानमन्त्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 2 अक्टूबर 1959 को नागौर जिला मुख्यालय पर वर्तमान में स्थित पंचायत समिति कार्यालय के प्रांगण में किया जाकर पंचायती राज का सूत्रपात किया गया।

नागौर जिले में जिला परिषद् – पंचायत राज कानून के तहत स्थापित है, जिसका अध्यक्ष निर्वाचित जन–प्रतिनिधि ''जिला प्रमुख'' होता है। जिला परिषद् में प्रशासनिक अधिकारी एवं सचिव ''मुख्य कार्यकारी अधिकारी'' है।

नागौर जिले में 11 पंचायत समितियां (विकास खण्ड) है। प्रत्येक पंचायत समिति के प्रभारी अधिकारी – विकास अधिकारी होते हैं एवं एक निर्वाचित जन–प्रतिनिधि होता है, जिसे प्रधान कहते है। प्रधान – पंचायत समिति के स्तर की जन–आंकाक्षाओं के अनुसार योजनाओं का क्रियान्वयन करवाते हैं, उनका चुनाव समितियों में वर्णित वार्ड सदस्यों द्वारा होता है। पंचायत समितियों के नाम इस प्रकार हैः–

1. नागौर	2. मूण्डवा	3. जायल	4. लाडनॅू
5. डीडवाना	6. कुचामन	7. परबतसर	8. मकराना
9. डेगाना	10. रियांबड़ी	11. मेड़ता	